अध्याय 18

1	प्रार्थना

समूह का अगुवा: प्रार्थना के साथ आप परमेश्वर के लिए चेले बनाने वाले इस कोर्स व अपने समूह को परमेश्वर के हाथों में सौंप दें।

2	**बाँटना** (20 मिनट) [शान्त समय] प्रेरितों के काम 11:19– 14:28

आगे बढ़कर संक्षेप में ***बताएं*** (या अपने नोट्स में से पढ़ें) कि आपने शान्त समय के दौरान बाइबल के निर्धारित अनुच्छेद (प्रेरितों के काम 11:19–14:28) से क्या सीखा।
अपने अनुभव का वर्णन करने वाले जन की सुनें, उसे गम्भीरता से लें तथा उसे स्वीकार करें। उसकी बातों पर चर्चा न करें।

3.	**याद करना** (20मिनट) (मसीह में नया जीवन) प्रार्थना: यूहन्ना 15:7

क–ध्यान करना

निम्नलिखित याद करने वाले पद को श्वेत/श्याम पट पर लिखें

प्रार्थना यूहन्ना 15:7
(यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो मांगो और वह तुम्हारे लिए हो जाएगा।'' यूहन्ना 15:7)

अपने कार्ड के पीछे बाइबल के हवाले लिखें:

1. प्रार्थना के उत्तर पाने के सुनिश्चित होने की दो शर्तें हैं।

यीशु ने '' यदि '' शब्द का इस्तेमाल किया जिसका अर्थ है कि यदि उसकी दो शर्तें पूरी की जाएं तो ही वह हमारी प्रार्थनाओं को सुनेगा।

- **आपको यीशु में बने रहना है।**

यीशु द्वारा प्रार्थनाओं के उत्तर को प्राप्त करने हेतू सुनिश्चित होने के लिए हमें मसीह व उसके प्रेम में बने रहना अनिवार्य है। (यूहन्ना 15:5,9)

मसीह, मसीहियों में बना रहता है। मसीह पवित्र आत्मा के द्वारा आपमें बना रहता है। बाइबल बताती है, ''क्या तुम नहीं जानते हो कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? (1 कुरिन्थियों 3:16)''

मसीही को मसीह व उसके प्रेम में बने रहना चाहिए। मसीह व आपके बीच रिश्ते में दोनों पक्षों की ज़िम्मेदारियां शामिल हैं। एक तरफ देखें तो, यदि मसीह आप में नहीं बना रहता तो आप कभी भी विश्वासी नहीं बन सकते। बाइबल बताती है कि मसीह यदि आपके हृदय में नहीं है, तो आप मसीह के नहीं हैं (रोमियों 8:9–10)। दूसरी ओर, यदि आप मसीह में नहीं बने रहते, तो आप दर्शाते हैं कि आप वास्तव में कभी मसीह के थे ही नहीं। मसीह में बने रहना आपकी ज़िम्मेदारी है।

मसीह में बने रहने का अर्थ क्या है? ''मसीह में बने रहने का अर्थ'' लगातार मसीह के साथ में व्यक्तिगत सम्बन्ध बनाने के लिए अपने आप को समर्पित करना है। इसका अर्थ है कि आप मसीह में बने रहने का प्रयास करते हैं। इसका अर्थ अपने आपको मसीह व आपके जीवन में उसकी योजनाओं के प्रति समर्पित कर देना है। 'बने रहना' शब्द अपूर्ण काल में लिखा गया है, जिसका अर्थ है कि यह सम्बन्ध दैनिक जीवन में लगातार बने रहना चाहिए। बिना निरन्तर प्रयास के कभी कोई उद्धार नहीं होगा, कोई बढ़ौतरी नहीं होगी और न ही कोई फल प्राप्त होगा।

- **आपको मसीह के वचनों में बने रहना चाहिए।**

दूसरी शर्त जिसके द्वारा आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आपको यीशु मसीह की ओर से प्रार्थनाओं का जवाब मिलेगा, उसके वचनों में बने रहना है (यूहन्ना 15:7)

मसीहियों को मसीह के वचनों में बने रहना चाहिए। यूहन्ना 8:31–32 में यीशु ने कहा,''यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। और सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतन्त्र करेगा''। मसीह के वचनों में बने रहना आपकी ज़िम्मेदारी है ,उदाहरण के लिए सात नियमों का पालन करना। जब और जहां कहीं भी यीशु मसीह के वचनों को प्रचार किया जाता है आपको वचन को सुनना चाहिए। आपको बाइबल में मसीह के वचनों को रोज़ पढ़ना चाहिए। आपको हर सप्ताह बाइबल अध्ययन समूह में परमेश्वर के वचनों का अध्ययन करना चाहिए। आपको नियमित तौर पर मसीह के वचनों को याद करना चाहिए। आपको मसीह के वचनों पर मनन करना चाहिए, जिसका अर्थ है कि आप अपने व्यक्तिगत जीवन में उन वचनों के अर्थ पर विचार करें तथा प्रभु से प्रार्थना करके समझ मांगे कि आप उसका इस्तेमाल अपने जीवन में किस प्रकार कर सकते हैं। आपको मसीह के वचनों को अपने जीवन में इस्तेमाल करना चाहिए। (उदाहरण, मत्ती 7:24; यूहन्ना 15:10)। और आपको प्रचार करने व शिक्षा देने के द्वारा मसीह के वचनों को दूसरों तक पहुँचाना चाहिए।

मसीहियों को मसीह के वचनों को अपने आप में बसने देना चाहिए। यूहन्ना 15:7 में आपकी ज़िम्मेदारी यूहन्ना 8:32 में दी गयी आपकी ज़िम्मेदारी से बिल्कुल अलग है। यहाँ पर आपकी ज़िम्मेदारी यह है कि आप यीशु मसीह के वचनों को अपने जीवन में काम करने व आपको परिवर्तित करने दें! मसीह के वचनों को पढ़ने, अध्ययन करने व उनका अभ्यास करने से, मसीह का वचन आपके हृदय, मन व जीवन में बस जाता है। इसलिए आपको यीशु मसीह के वचनों को अनुमति प्रदान करनी चाहिए जो आपके हृदय, मन व जीवन में बसा है, ताकि वो आपके जीवन का चालक व विस्फोटक शक्ति बन जाये, जिसका आपके जीवन पर पूर्ण रूप से नियन्त्रण हो। आप में बसे हुए मसीह के वचनों से आपकी समझ व विचारों, आपके लक्ष्यों व इच्छाओं व आपके स्वभाव व अनुभूतियों तथा आपकी बातों व कार्यों पर नियन्त्रण करना चाहिए। यीशु ने चेतावनी दी,''परन्तु जो कोई मेरी ये बातें सुनता है और उन पर नहीं चलता, वह उस निर्बुद्धि मनुष्य की नाई ठहरेगा जिसने अपना घर बालू पर बनाया (मत्ती 7:26)। यदि आप केवल मसीह के वचनों की जानकारी ही हासिल करते हैं मगर उसका अभ्यास अपने हृदय, मन और व्यवहार में नहीं करते तो आपका जीवन नाश व विखण्डित हो जाएगा। आपको मसीह के वचनों को अपने जीवन में प्रभाव डालने की अनुमति प्रदान करनी चाहिए। मसीह के वचन आपके जीवन में प्रभुता करने वाला प्रभाव होना चाहिए जिस पर आपकी समझ व विश्वास आधारित हो। यह ऐसा प्रभुता करने वाला प्रभाव होना चाहिए जो आपके लक्ष्यों व स्वभाव को निर्धारित करता है। यह आपके जीवन का वह प्रमुख कारण होना चाहिए जिसके बारे में आप बातें करते और जिसके लिए अपने जीवन को समर्पित कर देते हैं। तभी मसीह के वचन आप में बने रहते हैं!

2. क्या आप जो चाहें वह माँग सकते हैं?

जी हाँ, लेकिन यदि आप सच्चे मसीही हैं, तो आप जो चाहे वह नहीं मांगेगे, क्योंकि आप जानते हैं कि कुछ चीजों से परमेश्वर प्रसन्न नहीं होते। यदि आप मसीह में बने हैं और मसीह के वचन आप में वास करते हैं तो आप केवल उन ही बातों को मांगेंगे जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार हो। आप कभी भी उन बातों की मांग नहीं करेंगे जो मसीह के चरित्र के या बाइबल में प्रगट इच्छा के विरूद्ध हो। यीशु ने बड़े आत्म विश्वास के साथ प्रार्थना में चीजों की मांग की, लेकिन उसने हमेशा कहा कि 'मेरी नहीं पर तेरी ही इच्छा पूरी हो' (लूका 22:42)। जब कभी आप परमेश्वर से कहेंगे कि आप की इच्छा पूरी हो, तब परमेश्वर हमेशा आपकी प्रार्थनाओं को उत्तर देगें और उसकी इच्छा को पूरी करेगें। जब कभी आप परमेश्वर की इच्छा के अनुसार प्रार्थना करते हैं, तो आप बड़े आत्म विश्वास के साथ प्रार्थना कर सकते हैं (1यूहन्ना 5:14)। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी ऐसी बात के लिए प्रार्थना करते हैं, जिससे आपके लालच को सन्तुष्टि प्राप्त हो या जिससे आपकी स्वार्थी शक्ति में सफलता प्राप्त हो या आपको प्रसिद्धि मिलती हो, तो परमेश्वर आपकी प्रार्थना को नहीं सुनेंगे। लेकिन यदि आप मसीह में बने रहने का प्रयास करते हैं, और मसीह के वचनों पर आधारित होकर जीवन

व्यतीत करने के लिए समर्पित होते हैं, तो आप बड़े हियाव के साथ प्रार्थना कर सकते हैं। आपकी प्रार्थनाएं सुनी जाएंगी और शक्तिशाली व प्रभावशाली ठहरेगी! याकूब 5:16 ''धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है''।

ख. याद करना व पुनरावलोकन करना

1. किसी खाली कार्ड पर या कॉपी के किसी पेज पर बाइबल की आयत को ***लिखें।***
2. ठीक तरीके से बाइबल की आयत को ***याद करें।*** प्रार्थना : यूहन्ना 15:7
3. ***पुनरावलोकन*** / दो–दो के समूह में बंट जाएं तथा एक दूसरे से पिछली याद की गयी बाइबल की आयत को पूछें।

4	**बाइबल अध्ययन** (70 मिनट) [*सम्बन्ध*] **विपरीत लिंग वालें लोगों के साथ मसीहियों का सम्बन्ध थिस्लुनिकियों 4:1–8**

एक साथ मिलकर बाइबल अध्ययन के पाँच कदम वाले तरीके का इस्तेमाल करें तथा 1थिस्लुनिकियों 4:1–8 का अध्ययन करें।

कदम 1. पढें। — परमेश्वर का वचन

पढ़ें। आइये हम 1थिस्लुनिकियों 4:1–8 को एक साथ **मिलकर पढ़ें**।
आइये हम बारी बारी करके तब तक एक एक आयत पढ़े जब तक निर्धारित आयतें खत्म न हो जाएं।

कदम 2. खोज। — पुनरावलोकन

ध्यान दें । इस अनुच्छेद की कौन सी सच्चाई आपके लिए महत्वपूर्ण है?
या इस अनुच्छेद की कौन सी सच्चाई ने आपके मन या हृदय को छुआ?
लिखें। एक या दो बातों को लिखें जो आपकी समझ में आयी हो। उन बातों के बारे में विचार करें तथा उन विचारों को अपनी कॉपी में लिखें।
बाँटें। (समूह के लोगों को दो मिनट सोचने व लिखने का समय प्रदान करने के बाद, अपने विचारों को व्यक्त करें। आइये हम एक दूसरे के साथ उन विचारों को बाँटे जो हमने सीखा या समझा है।
(नीचे कुछ लोगों द्वारा अपने अनुभवों को बाँटने के उदाहरणों को दिया है। याद रखें: प्रत्येक छोटे समूह में, समूह के सदस्य भिन्न भिन्न बातों को बाँटेंगे, यह ज़रूरी नहीं है कि उनके भी अनुभव समान हों।)

4:3

खोज 1. मसीहियों को यौन अनैतिकताओं से बचे रहना चाहिए।

बाइबल बताती है कि ''यह परमेश्वर की इच्छा है.....कि आप यौन अनैतिकताओं से बचे रहें। ''हम ऐसे समय में जीवन व्यतीत कर रहे हैं जहाँ पर यौन अनैतिकता, अश्लीलता, विवाह पूर्व यौन सम्बन्ध, और बलात्कार बढ़ते चले जा रहे हैं। स्कूल के बच्चे बहुत अधिक मात्रा में इन कामों में शामिल हो रहे हैं। यौन अनैतिकता को प्रदर्शित करने वाली कहानी की घटिया किताबें बेची जा रही है, जिन घरों में टी.वी हैं उनमें अश्लील चलचित्र परोसे जा रहे हैं।

हालांकि आधिकारिक तौर पर ''सुरक्षित यौन सम्बन्ध'' (गर्भनिरोधक का इस्तेमाल करने का) बनाने का सुझाव दिया जा रहा है, फिर भी सारी दुनिया में युवाओं के बीच में गर्भपात की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। विपरीत लिंग के लोगों के साथ परम्परागत व्यवहार की जगह आधुनिक तरीकों ने ले ली है, जिसकी वजह से अनैतिक यौन सम्बन्धों में कोई नियन्त्रण नहीं है। जवान लोग और यहाँ तक कि कुछ व्यस्क लोग भी यौन अनैतिकता के खतरे को नहीं जानते हैं। वे इस सत्य को नहीं पहिचान पा रहे हैं कि जिसे सुरक्षित यौन सम्बन्ध कहा जाता है वह किसी भी तरह से सुरक्षित नहीं है।

बहुत से जवानों को यह पता ही नहीं है कि विपरीत लिंग के लोगों के साथ किस तरह से व्यवहार करना चाहिए। आदर्श या उदाहरण के नाम पर उनके सामने अश्लील चलचित्र या फिल्में, अश्लील पत्रिकाएं और अनैतिक मित्रगण हैं। लेकिन मैं, बाइबल में सिखाए जाने वाले सिद्धान्तों को सीखना चाहता हूँ।

4:1

खोज 2. मसीहियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि उन्हें परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए किस प्रकार से जीवन व्यतीत करना चाहिए।

बाइबल कहती है कि'' हम तुम्हें चिताते हैं कि किस प्रकार परमेश्वर को भाने योग्य जीवन व्यतीत करना चाहिए। ''यह खण्ड हमें स्पष्ट तौर पर बताता है कि लोग जैसा चाहें वैसा जीवन व्यतीत नहीं कर सकते, विशेष तौर पर यदि वह विपरीत लिंग के लोगों के साथ व्यवहार करने की बात हो तो। परमेश्वर को केवल हमारी पवित्रता ही प्रसन्न करती है। यौन क्षेत्र में शुद्धता के अर्न्तगत चार बातें शामिल हैं:

- सर्वप्रथम, अनैतिकता यौन सम्बन्धों से बचें।
- दूसरा,अपने देह को नियन्त्रित करना सीखें।
- तीसरा, सयंम के साथ एक पत्नी को प्राप्त करना सीखें।
- चौथा, यौन अनैतिकता के क्षेत्र में किसी भाई को गलत रास्ता न दिखाए।

मैं संसार भर में हर जगह जवानों को लगातार सच्चाई बताना चाहता हूँ, ताकि वे सीख सके कि परमेश्वर को किस तरह प्रसन्न किया जाता है।

कदम 3. प्रश्न वर्णन

ध्यान दें: इस खण्ड के आधार पर आप समूह से कौन सा प्रश्न पूछना चाहेंगे?
आइये हम 1थिस्लुनिकियों 4:1–8 में दी गयी सच्चाईयों को समझने का प्रयास करें और उन बातों के बारे में प्रश्न पूछें जिनके बारे में हम अभी तक नहीं जानते हैं।
लिखें। अपने प्रश्नों को सम्भव स्पष्ट स्वरूप प्रदान करें। उसके पश्चात अपने प्रश्नों को अपनी कॉपी में लिखें।
बाँटें (समूह के सदस्यों द्वारा दो मिनट तक विचार विमर्श करने तथा उन्हें लिखने के बाद, सभी लोगों को अपने प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान करें।
चर्चा करें। (फिर, उनमें से कुछ प्रश्नों को चुनकर, अपने समूह में चर्चा करते हुए उन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें)
(नीचे कुछ प्रश्नों व चर्चा करने के बाद उत्तरों को उदाहरण के तौर पर दिया गया है जिन्हें विद्यार्थी पूछ सकते हैं)

4:1–2

प्रश्न 1. यौन अनैतिकता व व्यभिचार में क्या अन्तर है?

ध्यान दें। इब्रानियों 13:4 में लिखा है,''विवाह सब से आदर की बात समझी जाए, और बिछौना निष्कलंक रहे; क्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों और परस्त्रीगामियों का न्याय करेगा।
'व्यभिचार' किसी दूसरे विवाहित व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का गैरकानूनी शारीरिक सम्बन्ध स्थापित करना है। इसका अर्थ किसी दूसरे व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करना है। जिसमें तलाक शुदा व्यक्ति भी शामिल हैं।
'परस्त्रीगमन व यौन अनैतिकता' का अर्थ अपने जीवन साथी को छोड़ किसी भी व्यक्ति के साथ शारीरिक सम्बन्ध को स्थापित करता है। इसमें विचारों में, इच्छाओं में तथा बातों में किसी के साथ यौन सम्बन्ध बनाना शामिल है। इसमें हर प्रकार का अनुचित यौन व्यवहार शामिल है। (लैव्यव्यवस्था 18:6, 20,22,23)।
बाइबल सब बातों के निचोड़ के तौर पर बताती है कि उचित यौन सम्बन्ध अपने जीवन साथी के साथ ही होता है और वह भी विवाह के बाद। बाइबल हमें चेतावनी देती है कि परमेश्वर व्यभिचारियों व परस्त्रीगामियों का न्याय करेगा। दोनों शब्द परमेश्वर के त्याग व मूर्तिपूजा को प्रगट करते हैं, जो कि आत्मिक अनैतिकता या आत्मिक व्यभिचार है।

4:3–4

प्रश्न 2: 1 थिस्लुनिकियों 4:3–4 का सबसे ज्यादा पसन्द किया जाने वाला अनुवाद क्या है?

ध्यान दें। 1 थिस्लुनिकियों 4:3–4 को तीन तरीकों से समझा जा सकता है, और तीनों ही अपनी जगह पर ठीक हैं।
' क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो; अर्थात व्यभिचार से बचे रहो। और तुम में से हर एक पवित्रता और आदर के साथ अपने पात्र को प्राप्त करना जाने।'' वह पात्र आपकी अपनी देह है।
' क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो; अर्थात व्यभिचार से बचे रहो। और तुम में से हर एक परस्त्रीगमन से बचा रहे, तुम में से हर एक अपने ही पात्र को हासिल करना सीखे। वह पात्र आपकी अपनी पत्नी है।
' क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम पवित्र बनो; अर्थात व्यभिचार से बचे रहो। और तुम में से हर एक परस्त्रीगमन से बचा रहे और अपने पात्र के साथ रहना सीखें'। वह पात्र आपकी अपनी पत्नी है।

4:3–4

प्रश्न 3. मैं अपनी देह को नियन्त्रित करना कैसे सीखता हूँ?

ध्यान दें।

- **अपनी जीभ को नियन्त्रित करना सीखें।**

इफिसियों 5:3–4 पढ़ें। ''और जैसे पवित्र लोगों के योग्य है वैसा तुम में व्यभिचार और किसी प्रकार का अशुद्ध काम या लोभ की चर्चा तक न हो। और न निर्लजता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्टे की क्योंकि ये बातें सोहती नहीं, वरन धन्यवाद ही सुना जाए। परस्त्रीगमन या यौन अनैतिकता का जिक्र जीभ से जोड़कर किया गया है। जुबान से फैलाई जाने वाली अश्लीलता का अर्थ है आप दूसरों के यौन सम्बन्धी जीवन को लेकर असभ्य बात करना या कसम खाते समय आप जननांगो या यौन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। घटिया चुटकुलों का अर्थ है आप गन्दे चुटकुले सुना रहे हैं या यौन सम्बन्धी अश्लील चुटकुले बता रहे हैं। मसीहियों को अपने बच्चों को स्वस्थ्य यौन सम्बन्धी शिक्षा देनी चाहिए और उन्हें गम्भीरता से सिखाना चाहिए कि वे विवाह के भीतर किस प्रकार शारीरिक रिश्तों को बना सकते हैं। लेकिन यौनाचार के बारे में कानाफूसी करना या तंज कसना अनैतिक यौनाचार है। मसीहियों के बीच में यौनाचार को लेकर किसी चुटकुले या कानाफूसी का छोटा सा लक्षण भी नहीं पाया जाना चाहिए।

- **अपनी आंखों को नियन्त्रित करना सीखें।**

***पढ़ें* अय्यूब 31:1।** :' मैं ने अपनी आखों से वाचा बांधी है, फिर मैं किसी कुंवारी पर क्योंकर आंखें लगाऊँ।''। सारे संसार भर में पुरूष ज़्यादातर अपने दृष्टि दोष के कारण परीक्षा में पढ़ते हैं। यदि पुरूष किसी ऐसी स्त्री को देख लेता है, जिसने सही तरीके से कपड़े न पहन रखें हों या जिसका बदन वस्त्रों से ठीक तरह से ढका न हो तो,उसे देखकर पुरूष के मन में अनैतिक विचार उत्पन्न होने लगते हैं। यदि पुरूष किसी पत्रिका में किसी स्त्री की अश्लील तस्वीर देख लेता है तो भी उसके मन में कामुक भाव उत्पन्न होने लगते हैं। ज्यादातर कामुक विचार, आपके देखेने के द्वारा प्रारम्भ होते हैं। दृष्टि दोष के कारण आपके मन में कामुक विचार उत्पन्न होने लगते हैं। जिसके कारण व्यक्ति अनैतिक निर्णय ले लेता है और अन्ततः अनैतिक काम कर बैठता है। अनैतिक यौनाचार की लड़ाई हमारे देखने, हमारे सुनने व हमारे विचार से प्रारम्भ होती है। इसी कारण से परमेश्वर ने बाइबल में इन वचनों को लिखा है:' मैं ने अपनी आखों से वाचा बांधी है, फिर मैं किसी कुंवारी पर क्योंकर आंखें लगाऊँ। ''परमेश्वर से प्रतिज्ञा करें कि आप उघाड़े वस्त्र पहने हुई स्त्री को देखने से, अश्लील चित्रों वाली पत्रिका व चलचित्र को देखने से तथा अनैतिक पुस्तकों को पढ़ने से बचेंगे। परमेश्वर से एक प्रतिज्ञा करें कि जब कभी अनापेक्षित ढंग से इस प्रकार के लोग व अनैतिक पुस्तकें आपके सामने आ जाएंगी तो आप उसे देखने के लिए दुबारा नहीं पलटेंगे।

- **अपने हृदय और मन को नियन्त्रित करना सीखें।**

नीतिवचन 6:25 को पढ़ें। ''उसकी सुन्दरता देखकर अपने मन में उसकी अभिलाषा न कर, वह तुझे अपने कटाक्ष में फंसाने न पाये"। परमेश्वर ने लगभग सभी स्त्रियों को सुन्दर बनाया है। इसलिए कुछ स्त्रियां, अपनी सुन्दरता का इस्तेमाल अनैतिक यौनाचार करने के लिए इस्तेमाल करती है। वे अपने वस्त्र पहिनने के तरीके, अपने शारीरिक लटकों झटकों, अपनी आखों के इशारों से वे पुरूषों को अपने जाल में फंसाना चाहते हैं। संसार में सभी जगहों पर वैश्याएं अपनी कमजोरियों के साथ साथ पुरूषों की कमज़ोरी को भी जानती है। हर एक व्यक्ति को नियन्त्रित करने वाला केन्द्र बिन्दु उसका हृदय होता है। हृदय के द्वारा ही मन के विचार, हृदय की इच्छाएं और हमारी इच्छाओं का चुनाव और निर्णय लेना नियन्त्रित किया जाता है। कई बार आप किसी स्त्री को देखने से अपने आप को रोक नहीं पाते, लेकिन आप उन्हें लगातार या बार बार देखने से अपने आप को रोक सकते हैं। बाइबल कहती है कि आपको उनकी सुन्दरता पर या आपको अपने कब्ज़े में करने के उसके प्रयासों पर ध्यान नहीं देना है। अपने मन में उसको पाने की अभिलाषा न करें। आपके भीतर बसे पवित्र आत्मा को आपके मन व हृदय को नियन्त्रित करने की अनुमति प्रदान करें। 2 कुरिन्थियों 10:5 में बाइबल कहती है कि हम ''हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।''

- **अपने पैरों को नियन्त्रित करना सीखें।**

नीतिवचन 5:7–10 पढ़ें। '' इसलिए अब हे मेरे पुत्रों, मेरी सुनो, और मेरी बातों से मुँह न मोड़ो। ऐसी स्त्री से दूर ही रह, और उसकी डेवड़ी के पास भी न जाना; कहीं ऐसा न हो कि तू अपना यश औरों के हाथ, और अपना जीवन क्रूर जन के वश में कर दे; या पराये तेरी कमाई से अपना पेट भरें, और परदेशी मनुष्य तेरे परिश्रम का फल अपने घर में रखें। संसार के हर शहर में वैश्याएं व दलाल पाए जाते हैं। हर एक गांव में बदनाम स्त्री व पुरूष होते हैं। आप सामान्य तौर पर उनके अड्डों व उनके शिकार करने के स्थानों को जानते हैं। इन स्थानों से बचे रहें। बाइबल कहती है, ''ऐसी स्त्री से दूर ही रहना उसकी डेवढ़ी के पास भी न जाना''। रैड लाइट या यैलो लाइट क्षेत्रों, डिस्को, मसाज केन्द्र तथा क्लब से दूर रहें जहाँ इस प्रकार के लोग अपने शिकार पर आक्रमण करने की फिराक में बैठे रहते हैं। अपने स्कूल में बदनाम

लड़के व लड़कियों से बच कर रहें। हमें अपने पैरों पर नियन्त्रण करके इस प्रकार की जगहों के पास से भी गुज़रने से बचना चाहिए।

- **अपने हाथों को नियन्त्रित करना सीखें**

नीतिवचन 5:15–21पढ़ें। ' तू अपने ही कुण्ड से पानी, और अपने ही कुंए से सोते का जल पिया करना। क्या तेरे सोतों का पानी सड़क में, और तेरे जल की धारा चौकों में बह जाने पाए? यह केवल तेरे ही लिए रहे, और तेरे संग औरों के लिए न हो। तेरा सोता धन्य रहे; और अपनी जवानी की पत्नी के साथ आनन्दित रह। प्रिय हरिणी वा सुन्दर सांभरनी के समान उसके स्तन सर्वदा तुझे सन्तुष्ट रखें, और उसी का प्रेम नित्य तुझे आकर्षित करता रहे। हे मेरे पुत्र, तू अपरिचित स्त्री पर क्यों मोहित हो, और पराई को क्यों छाती से लगाए? क्योंकि मनुष्य के मार्ग यहोवा की दृष्टि से छिपे नहीं है, और वह उसके सब मार्गों पर ध्यान करता है।'' आधुनिक युग में लोग चाहे गुप्त में हो या खुले रूप में विपरीत लिंग के लोगों के साथ व्यवहार करते समय किसी सीमा का ख्याल नहीं रखते। लोग परिणाम की परवाह किये बगैर सोचते हैं कि वे जो चाहें वह कर सकते हैं। इसी कारण बहुत से जवान लोग अपने हाथों को नियन्त्रित नहीं करते। जब युवक युवतियों के साथ अकेले होते हैं तो वे उनके शरीर के विभिन्न अंगों को यहाँ वहाँ छूने लगते हैं और कई बार तो वे एक दूसरे के कपड़ों के अन्दर भी हाथ डाल देते हैं। पुरूषों के छूने से ज्यादातर स्त्रियां कामुक हो जाती हैं इसलिए पुरूषों को अपने हाथों पर नियन्त्रण करना चाहिए। जिस प्रकार से किसी देश के नियम उसके सामाजिक जीवन की सीमाओं को दर्शाते, ट्रैफिक के नियम सुरक्षित ड्राइविंग को दर्शाते हैं, इसी प्रकार से बाइबल यौन सम्बन्धों के क्षेत्र की सीमाओं को दर्शाती है। हमें अपने हाथों को नियन्त्रित करना सीखना चाहिए और एक दूसरे को पवित्र व सम्मानजनक तरीके से छूना चाहिए।

4:3–4

प्रश्न 4. मैं अपनी पत्नि को प्राप्त करना या जीतना किस प्रकार सीख सकता हूँ?

ध्यान दें। उपरोक्त बताये गये किसी भी क्षेत्र में, मसीहियों को गैर मसीहियों की तुलना में अलग तरीके से विपरीत लिंग वाले लोगों को साथ व्यवहार करना चाहिए। बाइबल हमें बताती है कि जवान पुरूष अपनी पत्नी को जीत या हासिल कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ बाइबल हमें यह भी बताती है कि पुरूष कामुकता के कामों के द्वारा कभी अपनी पत्नी को नहीं प्राप्त कर सकता। 'पवित्र' तरीके का मतलब है कि एक तरीका जो इस संसार के पापमय तरीके से बिल्कुल अलग है। एक सम्मान जनक तरीके का अभिप्राय उस तरीके से है जिसे परमेश्वर व दूसरे लोग पसन्द करते हैं। पत्नी हासिल करने के तरीके पर परमेश्वर दोष न लगा पाए और न ही लोग आपकी निन्दा कर सकें। विवाह पूर्व एक दूसरे को जानने के दौर में लोगों को अपने शरीरों व भावनाओं पर संयम बरतना चाहिए। उन्हें अपनी ज़ुबान, आंखों, पैरों और हाथों पर नियन्त्रण रखना चाहिए। परमेश्वर ही ने स्त्री व पुरूष के सम्बन्ध में सीमाओं को बनाया है। परमेश्वर ने आदेश दिया है कि जान पहिचान करते समय (जिसे आधुनिक युग में डेटिंग कहा जाता है), स्त्री व पुरूष को आपस में क्या नहीं करना चाहिए। स्त्री व पुरूष को परस्त्रीगमन या अनैतिक यौनाचार से बचना चाहिए।

4:3–4

प्रश्न 5. स्त्रियों के साथ व्यवहार करते समय मुझे किस प्रकार की सीमाओं को बनाकर रखना चाहिए?

ध्यान दें। मसीहियों को विपरीत लिंग के लोगों के साथ व्यवहार करते समय सीमाओं को निर्धारित करना चाहिए। मसीही अभिभावकों व मसीही अगुवों को अपनी देखरेख में आने वाले युवक व युवतियों को इन सीमाओं के बारे में जरूर से बताना चाहिए। जब मसीही युवक व युवतियां एक दूसरे को जानने या सम्भवतः विवाह करने से पहले एक दूसरे को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं तो उन्हें निश्चित तौर पर सहमति के साथ कुछ सीमाओं को निर्धारित कर लेना चाहिए। उनकी सहमति में निम्नलिखित चार क्षेत्रों को लेकर स्पष्ट सीमाएं निर्धारित हो जानी चाहिए जिन्हें वे आने वाले समय में बनाये रखने वाले हैं। उन्हें साथ मिलकर निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ढूंढ़ना चाहिए।

- समय। आप कब मिलते हैं? आप कितनी बार मिलते हैं? कितनी देर के लिए आप मिलते हैं? कितने बजे तक आपकी अपनी बातचीत को समाप्त कर देना चाहिए?
- स्थान। आप किस स्थान पर मिलते हैं? आप किस स्थान पर जा सकते हैं? आप किस स्थान में नहीं जाएंगे?
- गतिविधियाँ। कौन से काम आप साथ मिलकर करते हैं? कौन से काम आप नहीं करेंगे? ध्यान रहे कि जो कुछ भी आप करते हैं वह परमेश्वर देखता है!

- शारीरिक सम्बन्ध। सुरक्षित कहा जाने वाला यौन सम्बन्ध (गर्भनिरोधक का इस्तेमाल) कभी भी सुरक्षित नहीं होता। यह शारीरिक रूप में सुरक्षित नहीं होता और वास्तव वे वह आत्मिक रूप में तो बिल्कुल भी सुरखित नहीं है। बाइबल विवाह से पहले इस प्रकार के सम्बन्ध के लिए मना करती है (इब्रानियों 13:4)। लोगों को परमेश्वर के सम्मुख प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में वे विवाह से पूर्व किसी प्रकार के सम्बन्ध को स्थापित नहीं करेंगे।

पुरूष व स्त्री को विवाह से पूर्व अपने सम्बन्ध के लिए एक पैमाना निर्धारित कर लेना चाहिए और वह पैमाना बाइबल पर आधारित हो। एक पुरूष व स्त्री को मिलकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देना चाहिए। बाइबल की शिक्षाओं के अनुसार, हमें किस प्रकार के शारीरिक सम्बन्ध बनाने चाहिए? किस प्रकार के शारीरिक सम्बन्ध हमें स्थापित नहीं करने चाहिए? बाइबल में अनुमति मिलने के बावजूद किस प्रकार के शारीरिक सम्बन्ध हमारे समाज में ग्रहण योग्य नहीं है। किसी प्रकार के स्पर्श के द्वारा दोनों पक्षों की उन्नति होगी? बाइबल में अनुमति मिलने पर भी किस प्रकार के स्पर्श से दूसरे व्यक्ति को कोई मदद नहीं मिलती है?

निष्कर्ष: जिस प्रकार से मसीही स्त्री या पुरूष आपस में व्यवहार करतें है वह गैर मसीहियों द्वारा स्त्री व पुरूषों द्वारा किये गये आपसी व्यवहार से बिल्कुल अलग होता है। बाइबल आज्ञा देती है कि मसीही पुरूष व स्त्रियों को विपरीत लिंग के लोगों के साथ पवित्र, सम्मानजनक तरीके से व्यवहार करना चाहिए, कामातुर होकर नहीं। जो भी जन परमेश्वर की इन आज्ञाओं को अस्विकार करता है वह स्वयं परमेश्वर को अस्वीकार करता है (पद 8)।

4:6

प्रश्न 6 विश्वासधात करने वाला भाई कौन है?

ध्यान दें। जब भी कभी कोई पुरूष परमेश्वर की आज्ञा के विरूध किसी स्त्री के साथ अपवित्र व असम्मानजनक तरीके से बर्ताव करता है या गैर मसीहियों के समान उसे कामुक करने का प्रयास करता है, तो वह विश्वास करने वाला भाई है। यह विश्वासघात करने वाला भाई या तो उस स्त्री का पिता होगा, या उस स्त्री का भाई होगा, या फिर उस स्त्री का होने वाला पति होगा, या फिर मण्डली में पाया जाने वाला कोई भाई (या बहन) होगा। यह पुरूष की ही ज़िम्मेदार होती है, क्योंकि वह ही स्त्री को इस गतिविधि के लिए उसकाता है। जब कभी कोई पुरूष किसी औरत के साथ सोता या उसे काम वासना के लिए उसकाता है, तो वह उस पुरूष को धोखा देता है जिसका सम्बन्ध उस स्त्री से होता है। वह अपने भाईयों को धोखा देकर गलत फायदा उठाता है, वह उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाता है, वह उस स्त्री के भावी पति से उसके कुंवारी पत्नी हासिल करने के अधिकार को चुरा लेता है। बाइबल ऐसे लोगों से बदला लेने के लिए मना करती है, क्योंकि पलटा लेना परमेश्वर का काम है (रोमियों 12: 17–21)।

जब कभी कोई मसीही व्यभिचार करे, तो उसके लिए यह जानना बहुत ज़रूरी है कि उसने आखिर क्या किया है, तथा प्रायश्चित करते हुए परमेश्वर के सम्मुख अपने पापों का अंगीकार कर लेना चाहिए। जिन स्त्री व पुरूषों ने व्यभिचार या अनैतिक यौनाचार किया है वे क्षमा प्राप्त कर सकते तथा नये तरीके से अपने जीवन की शुरूआत कर सकते हैं, लेकिन यह तभी सम्भव हो सकता है जब वे यीशु की ओर फिरे और सच्चे मन से अपने पापों से पश्चाताप करें।

कदम 4. उपयोग इस्तेमाल

ध्यान दें: इस अनुच्छेद का कौन सा सत्य मसीहियों के लिए सम्भवतः उपयोगी है?

बाँटें व लिखें। आइये हम एक दूसरे के साथ विचार विमर्श करके 1थिस्लुनिकियों 4:1–8 के आधार पर इस्तेमाल में आने वाली बातों की एक सम्भावित सूची बनाएं।

ध्यान दें। इनमें से कौन सी उपयोगी बातें हैं जिन्हें परमेश्वर चाहते हैं कि आप उन्हें अपने व्यक्तिगत जीवन में इस्तेमाल करें?

लिखें। अपने व्यक्तिगत अनुभवों को अपनी कॉपी में लिखें। अपने व्यक्तिगत अनुभवों को बाँटने में स्वतन्त्र महसूस करें। (ध्यान रखें कि हर एक समूह में लोग अलग सच्चाईयों का इस्तेमाल करेंगे या उसी सच्चाई का अलग तरीके से इस्तेमाल करेंगे। सम्भावित इस्तेमाल की सूची निम्नलिखित है।)

1. 1 थिस्लुनिकियों 4:1–8 से उपयोग की जाने वाली सम्भावित बातें।

4:1 इस एक प्रश्न को लेकर बाइबल पढ़ें, "परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए मैं किस प्रकार का जीवन व्यतीत करूँ?"

4:1 परमेश्वर को प्रसन्न आ सकने वाले जीवन को व्यतीत करने के लिए मुझे अपने भीतर किन बातों को बदलने की ज़रूरत है?

4:3 परस्त्रीगमन से बचने के लिए मैं क्या करूँ?
4:4 मेरी देह को बेहतर तरीके से नियन्त्रित करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?
4:4 यदि मैं अविवाहित हूँ तो मैं अपनी होने वाली पत्नी को पवित्र व सम्मानजनक तरीके से हासिल करने के लिए क्या करूँ?
4:5 गैर मसीहियों के जीवन में पायी जाने वाली कामुकता से बचने के लिए मैं क्या करूँ?
4:6 यदि मैंने किसी स्त्री या भाई को अनैतिक यौनाचार के क्षेत्र में धोखा दिया है, तो मैं अपने पापों से पश्चाताप कर सकता हूँ, क्षमा प्राप्त करके, विपरीत लिंग के लोगों के साथ व्यवहार करने के क्षेत्र में नये व पवित्र तरीके से जीवन की शुरूआत करें।
4:7 मैं एक कार्ड पर कुछ वचनों को लिखकर " परमेश्वर ने तुम्हें पवित्र जीवन जीने के लिए बनाया है" मेज पर रख सकता हूँ, जहाँ से मैं उसे रोज़ देख सकूं।
4:8 हमेशा याद रखें कि यदि परस्त्रीगमन या व्यभिचार के क्षेत्र में मैं परमेश्वर के वचनों को अस्वीकार करता हूँ, तो मैं स्वंय परमेश्वर को अस्वीकार करता हूँ।

2. 1थिस्लुनिकियों 4:1–8 में पाये जाने वाले व्यक्तिग तौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले तत्व।

मैं अपने विचारों व अपनी आंखों को नियन्त्रित करना सीखना चाहता हूँ। मैं ने परमेश्वर के साथ वाचा बाँधी है कि मैं किसी स्त्री या पुरूष को कुदृष्टि से नहीं देखूंगा और जब कभी मेरे मन में अश्लील या गन्दे विचार आएंगे तो मैं उन्हें दूर करने का प्रयास करूँगा।
मैं लगातार हर जगह पर युवाओं को यह सिखाना चाहता हूँ कि मसीही तरीके से विपरीत लिंग के लोगों के साथ करना व अद्भुत तरीके से अपने जीवन साथी को हासिल करना सम्भव है। जिस किसी जवान के साथ मुझे अवसर मिलता है मैं उनके साथ मिलकर इस बाइबल अध्ययन को करना चाहता हूँ।

कदम 5. प्रार्थना **प्रतिउत्तर**

आइये 1 थिस्लुनिकियों 4:1–8 में परमेश्वर द्वारा सिखाई गये सत्यों के आधार पर प्रार्थना करें।
(जो कुछ आपने बाइबल अध्ययन के दौरान सीखा है, प्रार्थना में उसका प्रतिउत्तर दें। केवल एक या दो पक्तियों में प्रार्थना करना सीखें। याद रखें कि हर एक समूह में लोग अलग विषयों के लिए प्रार्थना करेंगे)

5	**प्रार्थना** (8मिनट)	[मध्यस्थता] दूसरों के लिए प्रार्थना करे

दो या तीन लोगों के समूह में ***लगातार प्रार्थना करें***। एक दूसरे तथा संसार के अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करें।

6	**तैयारी** (2 मिनट)	निर्धारित कार्य अगले अध्याय के लिए

(***समूह का अगुवा*** : समूह के सदस्यों को यह तैयारी गृह कार्य के रूप में लिखित तौर पर प्रदान करें या उन्हें डाउन लोड करने दें।)

1. सर्मपण: चेले बनाने के लिए समर्पित हों।
 किसी दूसरे व्यक्ति या समूह के जन के साथ 'स्त्री व पुरूष के बीच रिश्ते' बाइबल पर आधारित शिक्षाओं को पढ़ें, सिखाये या प्रचार करें।
2. परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना। प्रेरितों के काम 15:1–18:17 तक रोज एक अध्याय पढ़ते हुए परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताएं। पसन्दीदा सच्चाई के तरीके का इस्तेमाल करें। लिखें।
3. याद करना: प्रार्थना। यूहन्ना 15:7। प्रतिदिन बाइबल की 5 याद की गयी आयतों को दोहराएं।
4. प्रार्थना: किसी व्यक्ति या किसी विशेष बात के लिए प्रार्थना करें और देखें कि परमेश्वर क्या कर रहे हैं (भजन 5:3)
5. चेले बनाने के सम्बन्ध में अपने लेखे को अद्यावधिक बना कर रखें। जिसमें आराधना, शिक्षा सामग्री तथा इस तैयारी की सामग्री को शामिल करें।